भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 06 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर एक अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र है।

(ii) अगले 5-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।

(iii) 6 और 7 तारीख को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश में; 6 तारीख को दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान और मध्य प्रदेश में; 6-8 तारीख के दौरान पूर्वी राजस्थान, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 6 जनवरी, 2026 को झारखंड में शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

(iv) 07-09 तारीख के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और ओडिशा में; 08-11 तारीख के दौरान राजस्थान में; 7 और 8 तारीख को मध्य प्रदेश में, 06-08 जनवरी 2026 के दौरान विदर्भ, झारखंड और छत्तीसगढ़ में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 06 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; जम्मू, उत्तराखंड, पंजाब, बिहार, पंजाब, पूर्वी राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): गंगीय पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, मणिपुर, असम और पूर्वी मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में छाया रहा।
- मीटर में दृश्यता दर्ज की गई (≤200 मीटर): असम: डिब्रूगढ़, धुबुरी (100); मणिपुर: लेंगपुई(100); गांगेय पश्चिम बंगाल: श्रीनिकेतन (100); उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कूचबिहार, जलपाईगुड़ी (50); बिहार: गया (50); जम्मू: हवाई अड्डा जम्मू (900), उधमपुर (0); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर(100); उत्तराखंड: काशीपुर (20), रोशनाबाद (50), पंतनगर (100), खटीमा (100); पंजाब: अमृतसर (0), हलवारा (0), बल्लोवाल सौंकरी (10), बठिंडा (150); हरियाणा और चंडीगढ़: चंडीगढ़ (150), अंबाला (50), करनाल (200), भिवानी (50); पश्चिम उत्तर प्रदेश: एएमएस अलीगढ(00), बरेली(25), आगरा(ताज) और अलीगढ-(30) प्रत्येक, हमीरपुर-(40), एएमएस मोरादाबाद, इटावा, शाहजहाँपुर और नजीबाबाद(50) प्रत्येक, झाँसी(70), मेरठ(100); पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएएफ), एएमएस कुशीनगर, कानपुर (आईएएफ), गोरखपुर आईएएफ और बाराबंकी, कानपुर (शहर) और गोरखपुर (10) प्रत्येक, प्रयागराज (20), अयोध्या, फुरसतगंज, फतेहगढ़, आजमगढ़, चुर्क, वाराणसी (एपी) और हरदोई (50) प्रत्येक, बहराईच (70), फतेहपुर, बांदा, बस्ती, लखनऊ (एपी) और बलिया (100) प्रत्येक; पश्चिमी मध्य प्रदेश: ग्वालियर(0), दतिया (50), राजगढ़ (); पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो (50); पूर्वी राजस्थान: उदयपुर(100) और कोटा (50), जयपुर(0), पिलानी(0); पश्चिमी राजस्थान: फलौदी(0), चूरू(50); दिल्ली: पालम (100)
- पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक ठंडा दिन रहा और पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और बिहार में ठंडा दिन रहा।
- उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में ज़मीन पर पाले की स्थिति दर्ज की गई है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बर्फबारी दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और उससे सटे दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से, कल, 5 जनवरी 2026 को 1730 बजे IST पर दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। यह आज, 6 जनवरी 2026 को 0530 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन गया। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र आज, 6 जनवरी 2026 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। इसके अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। इसके बाद, अगले 48 घंटों के दौरान इसके दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के पार पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने की संभावना है।
- एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्र में मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर बना हुआ है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर बनी हुई है।
- पूर्वी हवाओं में एक द्रोणिका मालदीव और उससे सटे लक्षद्वीप क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर बनी हुई है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी मध्य अरब सागर और उससे सटे लक्षद्वीप क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर बना हुआ है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण कोमोरियन क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर बना हुआ है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण त्रिपुरा और उसके आसपास के क्षेत्र में बना हुआ है और निचले क्षोभमंडलीय स्तर तक फैला हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- 06 जनवरी, 2026 को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश/बर्फबारी होने की बहुत संभावना है।
- 09 से 11 जनवरी तक तमिलनाडु और केरल और माहे में अलग-अलग/कुछ जगहों पर गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है; 9 और 10 जनवरी को तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और 11 जनवरी को अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की बहुत संभावना है और 10 जनवरी, 2026 को केरल और माहे में भी अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर 0-5°C; उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और ओडिशा में कई जगहों पर; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और विदर्भ में कुछ जगहों पर; छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, असम, मेघालय, मिजोरम, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर 5°-10°C था।
- न्यूनतम तापमान में सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) का अंतर पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर देखा गया; सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) ओडिशा और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और बिहार में अलग-अलग जगहों पर देखा गया(अनुलग्नक IV देखें)।
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.0°C राजगढ़ (पश्चिमी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 2 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट होने की संभावना है और उसके बाद अगले 5 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, उसके बाद अगले 3 दिनों तक 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद अगले 3 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।
- पूर्वी भारत में 4 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, उसके बाद अगले 3 दिनों तक लगभग 2°C की हल्की बढ़ोतरी होगी।

- अगले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और अगले 6 दिनों तक 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- अगले 4 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 3 दिनों तक 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- भारत के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- 7 से 9 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 4 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- 7 और 8 जनवरी को उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 5 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- 7 से 9 जनवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 4 दिनों तक घना कोहरा रहेगा; 7 जनवरी को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 2 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 11 तारीख तक; दिल्ली में 7 और 8 तारीख को; मध्य प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10 तारीख तक; बिहार में 13 तारीख तक; ओडिशा में 7 तारीख तक; अरुणाचल प्रदेश में 8 जनवरी, 2026 तक सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश में 6 और 7 तारीख को; दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान और मध्य प्रदेश में 6 तारीख को; पूर्वी राजस्थान, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 6 से 8 तारीख के दौरान; झारखंड में 6 जनवरी, 2026 को कुछ इलाकों में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।
- 7 से 9 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में; राजस्थान में 8 से 11 तारीख के दौरान; मध्य प्रदेश में 7 और 8 तारीख को, विदर्भ, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 6 से 8 जनवरी 2026 के दौरान शीत लहर चलने की बहुत संभावना है।
- 6 और 7 जनवरी, 2026 को उत्तराखंड के कुछ इलाकों में पाला पड़ने की बहुत संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 06 जनवरी से 11 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और आस-पास के इलाकों में, कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों में 06 से 11 जनवरी के दौरान; श्रीलंका तट के पास और उससे दूर 06 से 11 जनवरी के दौरान; 06 जनवरी को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ज़्यादातर हिस्सों में; 07 से 11 जनवरी के दौरान दक्षिण-पश्चिम और आस-पास के ज़्यादातर हिस्सों में, दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 10 जनवरी को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 09 और 10 जनवरी को तमिलनाडु तट के पास और उससे दूर; 10 जनवरी को दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास और उससे दूर न जाएं।

अरब सागर: सोमालिया तट और आस-पास के समुद्री इलाकों में 06 से 11 जनवरी के दौरान न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 06-09 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	6- Jan	7- Jan	8- Jan	9- Jan	10- Jan	11- Jan	12- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

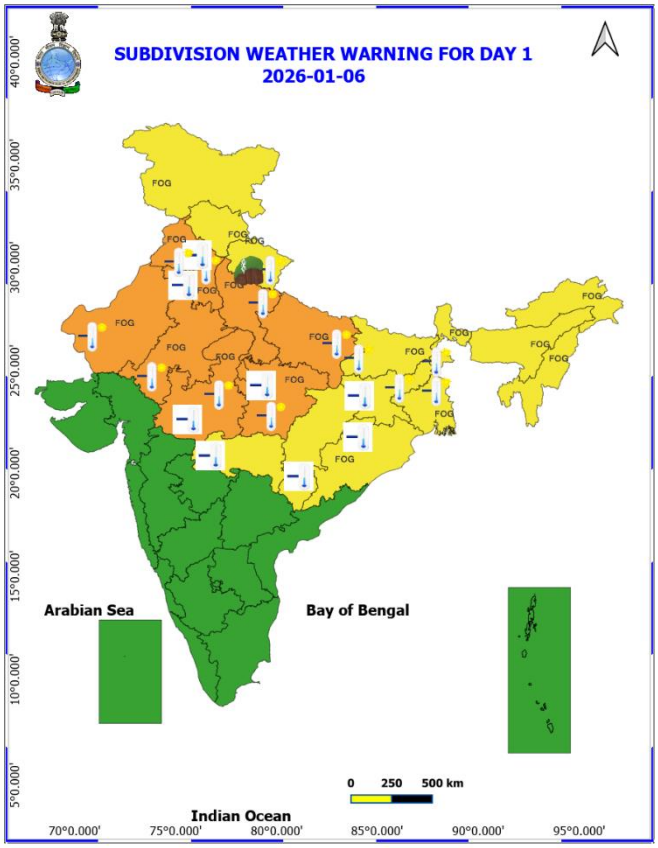
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-06
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

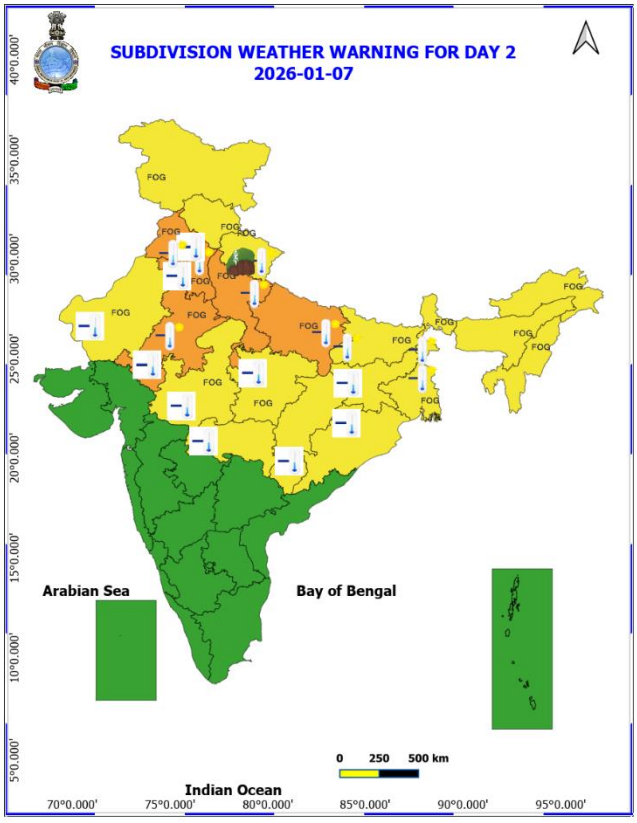
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-07
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

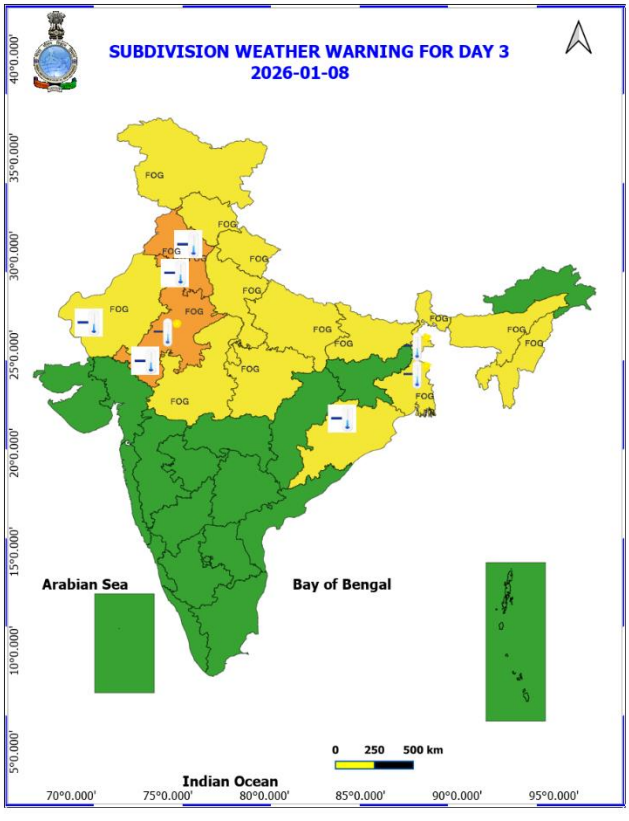
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-08
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

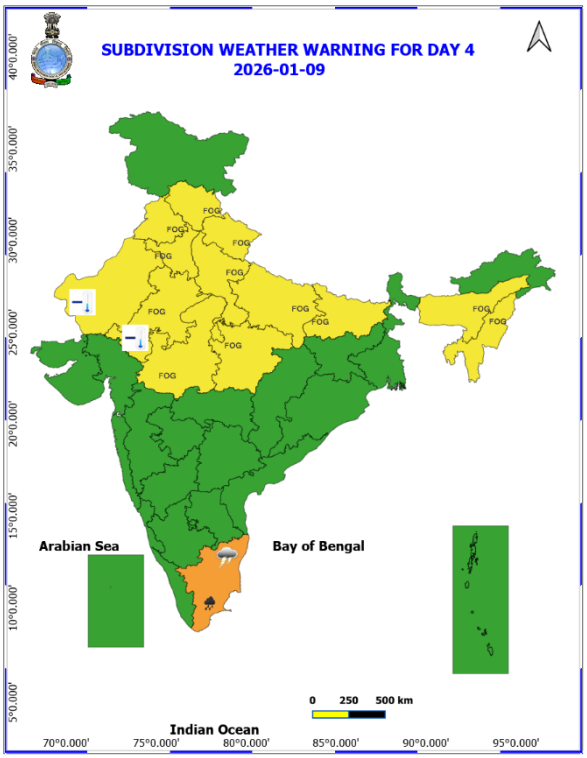

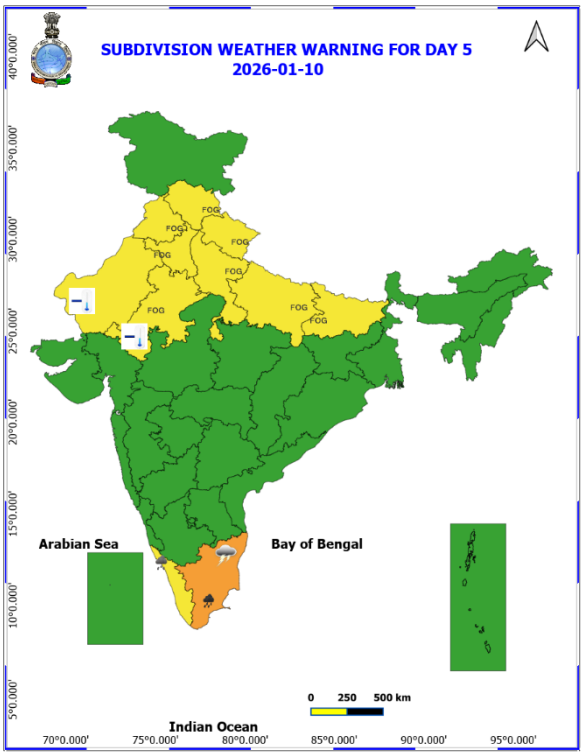

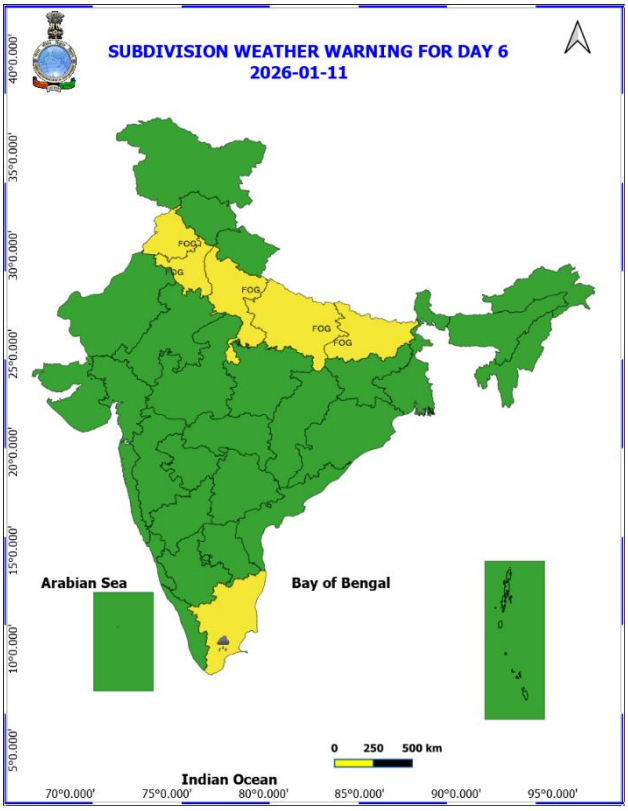

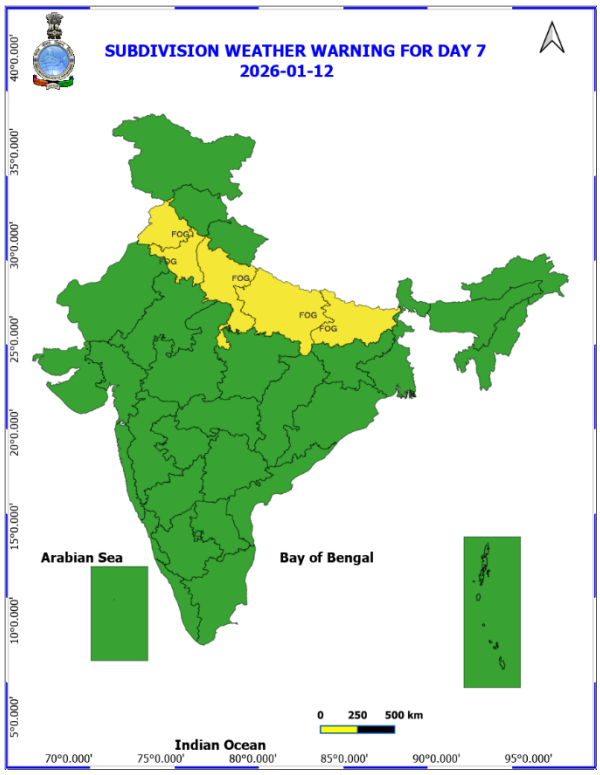

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

06 से 09 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है और अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15°C से 18°C और 06°C से 08°C के आसपास रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6 से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1 या -5.0) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग में 0630 से 0700 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 250m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 06.01.2026 को 0730 IST पर बढ़कर 300m हो गई। पालम में 0630 से 0730 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 100m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 06.01.2026 को 0800 IST पर बढ़कर 150m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा, सतह पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12kmph तक की गति से चली। आंशिक रूप से बादल छाए रहे। दोपहर तक मध्यम कोहरा छाया रहा, आज सुबह क्षेत्र में सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से 10 kmph तक की गति से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

06.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धुंध/हल्की धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15kmph से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph से कम हो जाएगी। 07.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 6°C से 8°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

08.01.2025: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 05°C से 07°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.5 या -3.0) और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य से कम (0.1°C से 2.1°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक कम हो जाएगी।

09.01.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जो शाम/रात तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति शांत रहेगी, धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी और शाम और रात के दौरान हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से घटकर 10 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।

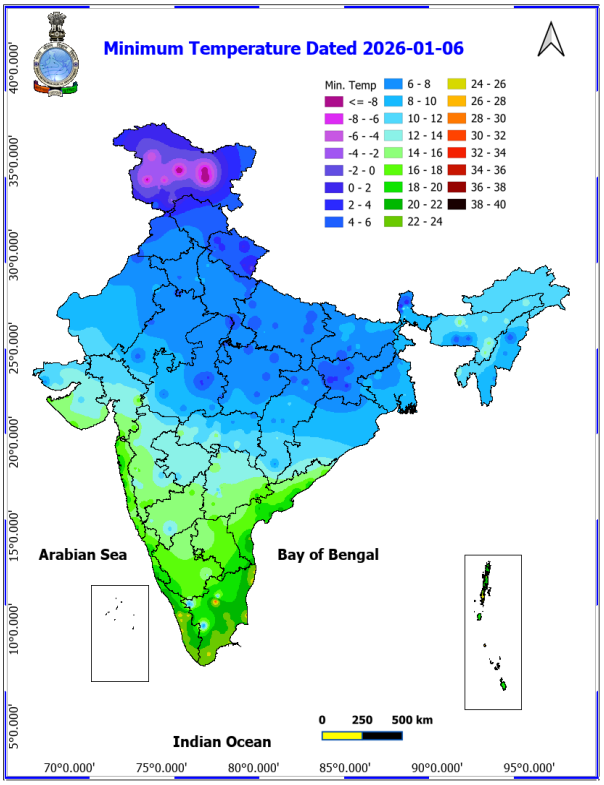

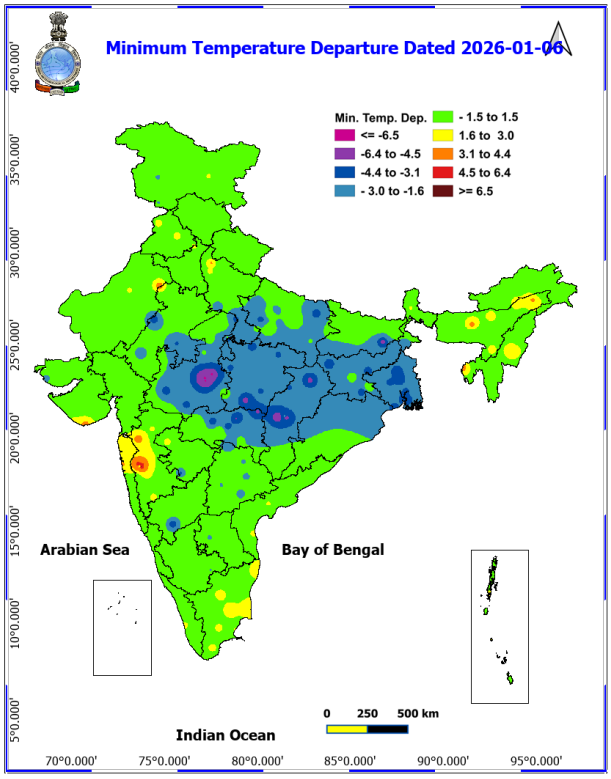

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ 7 से 9 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 4 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 7 और 8 जनवरी को उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 5 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ 7 से 9 जनवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 4 दिनों तक घना कोहरा रहेगा; 7 जनवरी को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है और अगले 2 दिनों तक कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 11 तारीख तक; दिल्ली में 7 और 8 तारीख को; मध्य प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10 तारीख तक; बिहार में 13 तारीख तक; ओडिशा में 7 तारीख तक; अरुणाचल प्रदेश में 8 जनवरी, 2026 तक सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 6-9 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में; 8-10 जनवरी के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 6-10 जनवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 6-8 जनवरी के दौरान छत्तीसगढ़ में; और 6 और 7 जनवरी 2026 को झारखंड में शीतलहर की स्थिति रहेगी।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 6 और 7 तारीख को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; 6 तारीख को पश्चिम राजस्थान और मध्य प्रदेश में; 6 से 8 तारीख के दौरान पूर्वी राजस्थान, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 6 जनवरी, 2026 को झारखंड में शीत दिवस की स्थिति रहेगी।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा/ शीत लहर/ सतह पाला / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा** और **झारखंड** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव या शीत क्षति से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- ➢ **तमिलनाडु** में, पकी हुई उड़द की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। खेतों में खड़ी फसलों और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- ➢ **केरल** में, पकी हुई धान की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। खड़ी फसल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- ➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- ➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

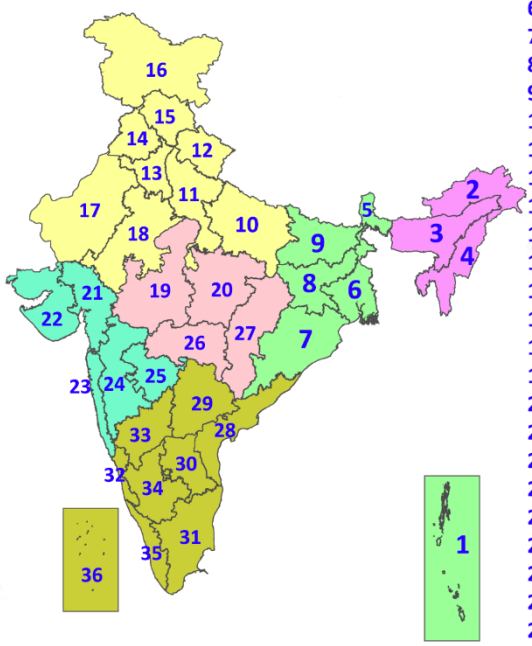

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)